प्रश्न सं. [क. 586]

विधानसभा अतारांकित पश्न क्रमांक 586 परिशिष्ट–"अ"

1. आयुष औषधालयों के भवन– मरम्मत/ उन्नयन कार्य।
2. आयुष औषधालयों का आयुष्मान आरोग्य मंदिर के विकसित करना।
3. जिला चिकित्सालयों में आयुष विंग की स्थापना।
4. आयुष ग्राम की स्थापना।
5. आयुष मानव संसाधन हेतु मानदेय।
6. आयुष चिकित्सालय का उन्नयन।
7. 10/30/50 बिस्तरीय आयुष चिकित्सालय की स्थापना एवं संचालन वित्तीय सहायता।
8. चिकित्सा सुविधा रहित क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर /स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन।
9. आयुष पद्धति का प्रचार प्रसार।
10. आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम का संचालन
11. आयुष आपके द्वारा सिकल सेल एनिमीया ग्रसित व्यक्तियों को एड–ऑन–थैरेपी के माध्यम से औषधि वितरण।
12. जन सामान्य को वैद्य आपके द्वार टेलिमेडिसिन द्वारा स्वास्थ्य परामर्श
13. औषधीयों की गुणवत्ता परीक्षण के लिए राज्य औषधी परीक्षण प्रयोगशाला की ग्वालियर में स्थापना।

शैक्षणिक संस्थानः–

1. पूर्व से संचालित आयुष महाविद्यालय का उन्नयन
2. नवीन आयुर्वेद आयुष महाविद्यालयों की स्थापना।

(डॉ. राजीव मिश्रा)
उप संचालक
संचालनालय आयुष, मध्यप्रदेश

विधानसभा अतारांकित पश्न क्रमांक 586 परिशिष्ट–"ब"

राज्य आयुष मिशन सोसायटी

राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत गठित आयुष सोसाइटी का उद्देश्य राज्य में आयुष प्रणाली को सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं जनोपयोगी बनाना है। राज्य आयुष मिशन सोसाइटी द्वारा निम्नानुसार योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है :–

1. राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत समस्त जिलों की आयुष मिशन सोसायटी से जिला वार्षिक कार्ययोजना का संकलन कर राज्य वार्षिक कार्ययोजना बनाकर राज्य आयुष मिशन सोसायटी के कार्यकारी एवं शासी निकाय की बैठक से अनुमोदित राज्य वार्षिक कार्ययोजना आयुष मंत्रालय भारत सरकार को प्रेषित किया जाता है, इस हेतु भारत सरकार को अधिकतम उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित किये जाने सहित समस्त निर्देशों का अनुपालन कर भारत सरकार से योजनाअंतर्गत अधिकाधिक वित्तीय सहायता प्राप्त की जा रही है।
2. राष्ट्रीय आयुष मिशन मध्यप्रदेश द्वारा उत्कृष्ट कार्य करते हुए विगत 02 वर्षों से देश के प्रथम 05 राज्यों में स्थान बनाए रखा है।
3. आयुष चिकित्सा पद्धति का उपयोग करते हुए "संपूर्ण स्वास्थ्य सबके लिए (Sampoorna Swasthya Sabke Liye)" के उद्देश्य को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।
4. विभिन्न अधोसंरचना विकास एवं नवीन योजनाओं के क्रियान्वयन से आयुष चिकित्सा सेवाओं को सशक्त बनाया जा रहा है।
5. आयुष संस्थानों द्वारा संचालित चिकित्सा पद्धतियों का उन्नयन एवं विस्तार किया जा रहा है।
6. आयुष शैक्षणिक संस्थानों का उन्नयन कर उनकी क्षमता एवं गुणवत्ता में वृद्धि की गई है।
7. शासकीय फार्मेसी में उच्च गुणवत्ता वाली आयुष औषधियों का निर्माण में सहयोग करना तथा औषधि की परीक्षण प्रणाली विकसित की जा रही है।
8. आयुष जनस्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष, आयुष ग्राम एवं अन्य आयुष संस्थाओं के माध्यम से सामान्य जनता में स्वस्थ जीवनशैली का विकास कर संक्रामक एवं असंक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु आयुष स्वास्थ्य प्रणाली आधारित जागरूकता अभियान, चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण किया जा रहा है।
10. राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की आयुष चिकित्सा प्रणाली द्वारा संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।
11. लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के राष्ट्रीय एवं राज्य के स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सहयोग दिया जाता है।
12. आयुष पद्धति से संबंधित स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रचार–प्रसार एवं जनसंपर्क सामग्री का विकास एवं वितरण किया जाता है।
13 जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया प्रभावित जिलों में घर–घर जाकर आयुष औषधियों का वितरण जा रहा है।

(डॉ. राजीव मिश्रा)
उप संचालक

जिला आयुष मिशन सोसायटी

1. सोसायटी गठन का औचित्यः— राज्य आयुष मिशन द्वारा मिशन के कार्यो का विकेन्द्रीकरण कर जिले के आवश्यकतानुसार मिशन की गतिविधियों के संचालन हेतु आवश्यक वित्तीय शक्तियां प्रदान कर योजना का क्रियान्वयन किया जाता है।
2. जिले के जन सामान्य की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत जिला वर्षिक कार्य योजना बनाकर राज्य आयुष मिशन सोसायटी को प्रेषित किया जाता है।
3. जिले के अधीनस्थ आयुष संस्थाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाया गया है, जिससे वह स्थानीय परिस्थितियों की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाता है।
4. सोसायटी का कार्यक्षेत्र संपूर्ण जिला
5. जिला आयुष मिशन सोसायटी द्वारा निम्न उद्देश्य के साथ कार्य किया जाता है :—

    i. आयुष चिकित्सा पद्धति से सम्पूर्ण स्वास्थ्य सबके लिये उद्देश्य की पूर्ति करना।
    ii. आयुष चिकित्सा पद्धति सेवाओं को सुदृढ़ करना।
    iii. आयुष चिकित्सा पद्धति की संचालित सेवा संस्थाओं का उन्नयन एवं विस्तार।
    iv. आयुष शेक्षणिक संस्थाओं की क्षमता एवं गूणवत्ता उच्चस्तरीय करना।

6. आयुष चिकित्सा पद्धति से संचारी एवं असंचारी रोगों की रोकथाम हेतु कार्यक्रम संचालित किये जाते है।
7. लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के राष्ट्रीय एवं राज्य के स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सहयोग दिया जाता है।
8. स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष विधा से संबंधित प्रचार प्रसार सामग्री विकसित एवं वितरित की जाती है।
9. राज्य की विभिन्न आयुष स्वास्थ्य संस्थाओं में गठित रोगी कल्याण समितियों की समीक्षा एवं समन्वय किया जाता है।

(डॉ. राजीव मिश्रा)
उप संचालक
संचालनालय आयुष, मध्यप्रदेश